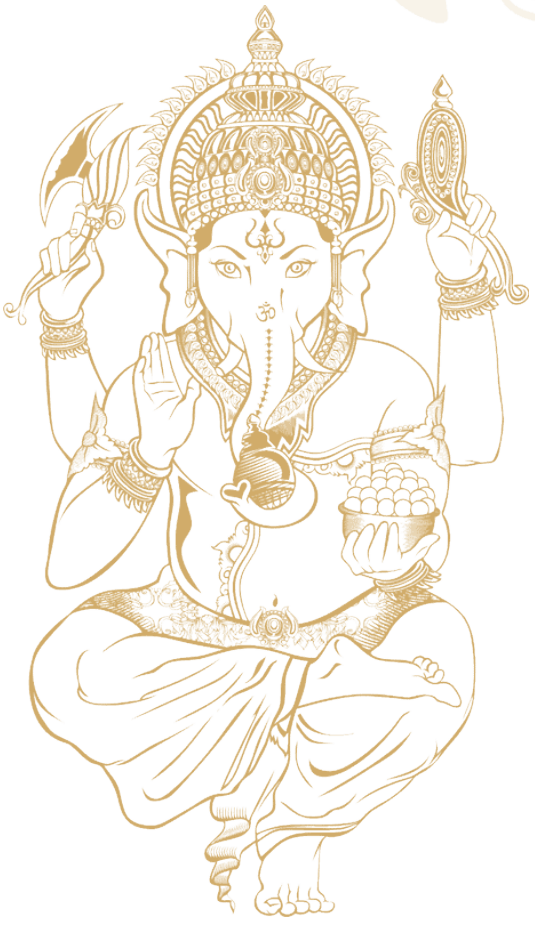

Nishant

Manshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121368406

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/08/1991	जन्म तिथि	28-29/06/1996
मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 17:50:00	जन्म समय	01:00:00 घंटे
घटी 31:18:04	जन्म समय(घटी)	50:04:33 घटी
India	देश	India
Pusa	स्थान	Begusarai
25:59:00 उत्तर	अक्षांश	25:25:00 उत्तर
85:40:00 पूर्व	रेखांश	86:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:40	स्थानिक संस्कार	00:14:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:46	सूर्योदय	04:57:34
18:26:08	सूर्यास्त	18:39:48
23:44:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:33

विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 3मा 14दि

गुरु	
27/11/2024	
27/11/2040	
गुरु	15/01/2027
शनि	28/07/2029
बुध	03/11/2031
केतु	09/10/2032
शुक्र	10/06/2035
सूर्य	28/03/2036
चन्द्र	28/07/2037
मंगल	04/07/2038
राहु	27/11/2040

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मेष	10:32:10
सूर्य	मिथु	13:32:47
चंद्र	वृश्चि	10:41:10
मंगल	वृष	17:39:38
बुध	वृष	29:14:02
गुरु व	धनु	19:40:45
शुक्र व	वृष	18:12:14
शनि	मीन	13:15:06
राहु व	कन्या	19:29:37
केतु व	मीन	19:29:37
हर्ष व	मक	09:48:22
नेप व	मक	03:04:53
प्लूटो व	वृश्चि	06:59:39

राशि	अंश
मक	17:03:20
कर्क	26:31:17
कन्या	12:16:45
सिंह	24:18:11
सिंह व	10:48:16
कर्क	29:48:04
सिंह व	10:45:30
मक व	08:29:40
धनु व	24:48:20
मिथु व	24:48:20
धनु व	16:37:50
धनु व	20:43:40
तुला	23:53:14

विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 6मा 8दि

केतु	
05/01/2022	
05/01/2029	
केतु	04/06/2022
शुक्र	04/08/2023
सूर्य	10/12/2023
चन्द्र	10/07/2024
मंगल	06/12/2024
राहु	24/12/2025
गुरु	30/11/2026
शनि	09/01/2028
बुध	05/01/2029

लग्न-चलित

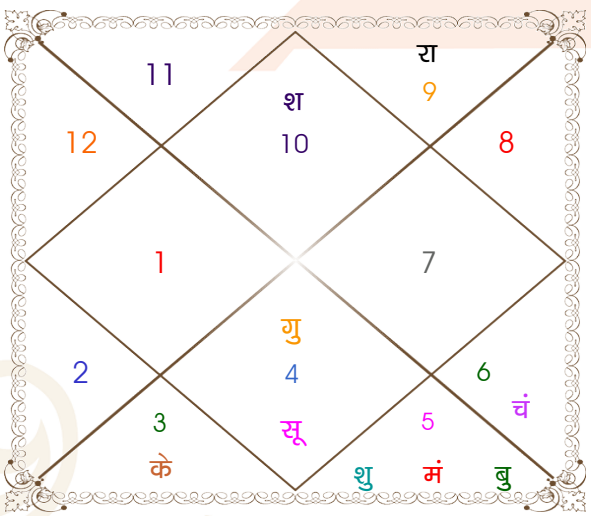

लग्न-चलित

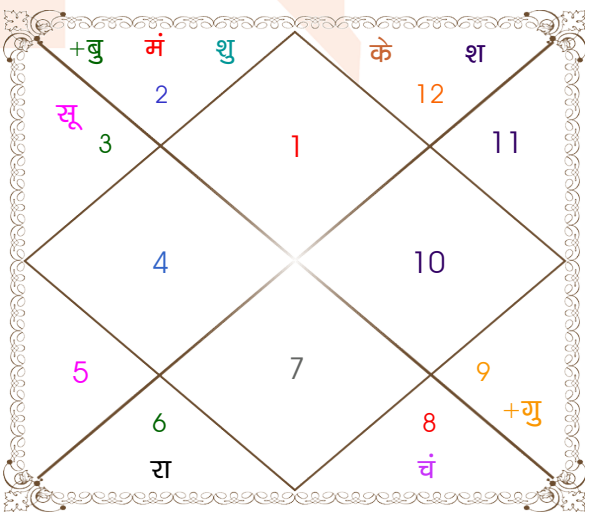

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

छर्पोंदज का वर्ग मूषक है तथा Manshi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छर्पोंदज और Manshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छर्पोंदज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Manshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Manshi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छर्पोंदज तथा Manshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।